तीव्र मं - Sign

म – गरे ग ग सा रे सा नि सा सा
ऐं ऽ सीऽ कृ पा क रो भ ग वा न
ह र द म र हे तु म्हा रा ऽ ध्या न

प प म प ध ध ध प म मग गरे
क रें तु म्हा ऽ रा ऽ हीऽ गुण गान

अन्तरा

सां – नि ध नि – नि प ध प मं प – प
सु ख में ऽ तु म को ऽ भू ल न जा ऽ एँ
दु ख आ ऽ ने ऽ प र न घ ब रा ऽ एँ

प प पमं प ध ध – प पम म ग रे
सु ख और दु ख में ऽ र हें ऽ स मा न

Next will be same

गुण अपनावें अवगुण छोड़ें, झूठ कपट छल से मुख मोड़ें
नम्र बनें तज कर अभिमान। ऐसी कृपा ---

दयावान और पर उपकारी, हम सबके बन जाएं हितकारी
जीवन होवे कमल समान। ऐसी कृपा ---

हे जगदीश्वर अन्तर्यामी, मिलकर हम सेवक तुम स्वामी,
तुमसे मांग रहे वरदान। ऐसी कृपा ---